पत्रिका प्रकाशन में हमारे सहयोगी...

श्री चम्पालाल जैन, शिरोमणि संरक्षक

आप अखिल भारतीय गोलालारीय परिषद के अध्यक्ष है। बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र देवगढ़ (ललितपुर) के अध्यक्ष पद पर रहकर आपने इस क्षेत्र का काफी विकास किया है। यहाँ फैली असंख्य प्रतिभाओं को संजोकर क्षेत्र को पूज्यनीय व दर्शनीय स्थल के रुप में विकसित करने के लिए आप सतत् प्रयासरत है।

ललितपुर जैन समाज में आप अपनी विशिष्ट पहचान रखते है समाज के सभी कार्यों में आप सदैव तत्पर रहते है। समाज की युवा पीढ़ी को समाज से जोड़ने में आपका विशेष सहयोग रहा है।

श्री अशोक कुमार जैन, शिरोमणि संरक्षक

अखिल भारतीय गोलालारीय परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष के रुप में आपने समस्त गोलालारीय परिवारों को एक छत के नीचे लाने का प्रयास किया है, एक दशक पूर्व बनाए गए संगठन में नवयुवकों को जोड़कर स्थानीय स्तर पर सामाजिक गतिविधियों के संचालन के लिए प्रेरित किया है।

समाज को संगठित व एक सूत्र में बांधने के लिए आप सदैव तत्पर रहे है। आपकी कार्यकुशलता व संगठन शक्ति से आप विश्व हिन्दु परिषद के उच्च पदों पर भी रहे है।

गौरक्षा की सुरक्षा के लिए आपने अनेको बार आंदोलन किया है। आपके द्वारा भोपाल में गौशाला भी संचालित की जा रही है। समाज के मुखपत्र 'गोलालारीय दर्शन' के प्रकाशन में आपका मार्गदर्शन एवं सहयोग हमें सदैव मिलता रहता है।

श्री नरेन्द्र कुमार जैन, संरक्षक

आपकी प्रारंभिक शिक्षा ललितपुर में हुई, जबलपुर विश्वविद्यालय से वर्ष 1962 में एम.कॉम में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर 'स्वर्ण पदक' प्राप्त हुआ। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में प्रोबेशनरी ऑफिसर्स के रुप में चयन हुआ । 34 वर्षों तक बैंक में उच्च पदों पर रहते हुए अनेको उपलब्धियां पाई । अपने कार्यकाल के दौरान ट्रेनिंग व अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए आप जकार्ता, बैंकाक, मनीला के साथ देश के महत्वपूर्ण आईआईएम अहमदाबाद एवं कलकत्ता में भी अपनी सेवाएं दी है। आप जैन समाज की अनेक संस्थाओं के आजीवन सदस्य है। वर्ष 1998 में जनरल मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

श्री दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज भोपाल में उपाध्यक्ष पद पर रहकर समाज विकास व संगठन को अपनी सेवाएं दे रहे है।

श्री मीतलाल जैन, संरक्षक

गंजबासौदा में जन्में श्री मीतलाल जैन ने एम.ए. हिन्दी में कर 5 वर्षों तक अध्यापन का कार्य किया। प्रयाग से हिन्दी में साहित्य रत्न की उपाधि हासिल की। वर्ष 1955 में पासपोर्ट कार्यालय में नियुक्ति पश्चात देश के अनेक शहरों में रहकर वर्ष 1984 में सेवानिवृत्ति के पश्चात आयुर्वेद में उपाधि प्राप्त कर असहाय लोगों की नि:शुल्क चिकित्सा में सतत प्रयासरत है। समाज के बच्चों को अंग्रेजी भाषा का ज्ञान निशुल्क दे रहे है।

1988 में नेहरु नगर भोपाल के श्री अजितनाथ दि. जैन मंदिर की स्थापना में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। आज भी आप में समाज के लिए कुछ नया करने की चाह है।

श्री ए.एल. फणीश, विशेष सहयोगी

तामोट में जन्मे श्री फणीशजी एम.ए, एल.एल.बी. रतलाम से करने के बाद बैंक परीक्षा उत्तीर्ण कर पंजाब नेशनल बैंक में नियुक्ति पाई। वर्ष 1998 में वरिष्ठ प्रबंधक के पद से सेवानिवृत्ति पश्चात आप दिगम्बर जैन समाज एवं शीतल बिहार न्यास विदिशा में जुड़कर वर्ष 2001 में 2006 तक मंत्री व 2006 से 2009 तक महामंत्री पद पर रहे। वर्तमान में आंतरिक अंकेक्षक के रुप में सेवाएं दे रहे है।

लायंस क्लब विदिशा के अध्यक्ष पद पर वर्ष 2003–04 पर रहने के पश्चात आप महावीर इंटरनेशनल संस्था मे कोषाध्यक्ष का कार्य संभाले हुए है। अन्य कई संस्थाओं से जुड़कर आप सक्रिय योगदान दे रहे है। आप अखिल भारतीय गोलालारीय परिषद के उपाध्यक्ष भी है ।

डॉ. पंकज जैन, विशेष सहयोगी

विदिशा से एम.कॉम, एम.ए., एम.फिल, पी.एच.डी. कर शासकीय महिला पोलीटेक्निक महाविद्यालय सीहोर में विभागाध्यक्ष (प्रथम श्रेणी अधिकारी) के रुप में सेवाएं दे रहे है। आप पं. सागरमल जैन स्मृति न्यास के अध्यक्ष है। विदिशा दिगम्बर जैन समाज, श्री दि. जैन शीतल बिहार न्यास व गोलालारीय जैन समाज में मंत्री पद पर रहकर समाज व संगठन के लिए काफी कार्य किया है। व्या. अर्थशास्त्र कक्षा 11 के लिए म.प्र. शासन द्वारा चयनित कर पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित हुआ है। समाज के कार्यों के प्रति आपका सदैव समर्पण भाव रहा है। रचनात्मक कार्य व लेखन आदि के माध्यम से समाज कार्यों में आपका सदैव योगदान रहा है।

समाज के गौरव

सुश्री मोनिका जैन ने 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर इन्दौर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कॉलेज से दंत चिकित्सक (बी.डी.एस.) की उपाधि प्राप्त की है। आप मड़िया निवासी श्री जीवनधर–सरोज जैन की पोती एवं श्री विजय–आशा जैन इन्दौर की सुपुत्री है।

श्री अंकित जैन ने सी.एस.(इंटर) की दिसम्बर 12 में आयोजित परीक्षा में 27वां स्थान प्राप्त किया है। आपने बी.कॉम तक शिक्षा आगरा में प्राप्त की तत्पश्चात सी.ए. दिल्ली से कर वर्तमान में मुंबई में ट्रेनिंग ले रहे है। आप मंडी बामौरा निवासी दिनेश–अर्चना जैन के सुपुत्र है।

संयुक्त परिवार जैसा आनंद है सोशल ग्रुप

इन्दौर, अर्चना जैन। श्री गोलालारीय सोशल ग्रुप की मीटिंग एक लंबे अंतराल पश्चात जय माता दी गार्डन में आयोजित हुई।

नवीन विचारों एवं नवीन कार्यक्रमों के साथ सोशल ग्रुप की गतिविधियों का संचालन किया गया। पारिवारिक मेलजोल व आपसी सहयोग की भावना को सर्वोपरि रख कार्यक्रम का निर्धारण करा गया। संयुक्त परिवारों के खट्टे मीठे अनुभवों की यादों के साथ खेलकूद व रोचक प्रतियोगिता के साथ पारंपरिक भारतीय खेलों ने जहां बच्चों का मनोरंजन करा वहीं बड़ों ने पूरे जोश खरोश से खेल का हिस्सा बन आनंद उठाया।

ग्रुप में शामिल सभी सदस्यों की इच्छानुरुप प्रत्येक मीटिंग में आपसी सहयोग के साथ परिवारों ने आत्मविश्वास बढ़ाने की भावना पर जोर दिया गया। आज के परिवेश में भागदौड़ भारी जिंदगी में जहां परिवार के सदस्य ही आपस में कम मिल पाते है वहां इस प्रकार के कार्यक्रम सदस्यों का मनोबल तो बढ़ायेंगे ही साथ ही अपने को तरोताजा रखने में इनकी विशेष भूमिका रहेगी। श्रीमती अर्चना जैन एवं शशि जैन ने उपस्थित सभी सदस्यों को भरपूर खेलो के माध्यम से जोड़े रख मनोरंजन कराया। वहीं मीटिंग के संयोजक श्री अनलि कुमार–शोभना जैन, बसंत–अर्चना जैन एवं रजनीश–रीना जैन ने सदस्यों का स्वागत किया। सोशल ग्रुप अध्यक्ष श्री राजेश–सुनीता जैन, सचिव अंचल–सपना जैन एवं कोषाध्यक्ष श्री नीरज–अनु जैन ने उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

अक्षय तृतीया पर्व सानंद संपन्न

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। वैशाख शुक्ल 3 तदनुसार 24 अप्रैल 12, बुधवार को भगवान आदिनाथ के प्रथम आहार दिवस को 'दाता दिवस' (अक्षय तृतीया) के रुप शीतल धाम हरीपुरा में ऐलकश्री नि:शंकसागरजी के सानिध्य एवं श्री राघवजी वित्तमंत्री म.प्र. शासन तथा श्रीमती ज्योति शाह अध्यक्ष न.पा. विदिशा के मुख्य आतिथ्य में बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया।

आचार्यश्री के आशीर्वाद से जो समवशरण मंदिर का निर्माण चल रहा है, उसकी योजना की जानकारी प्रस्तुत की गई और आचार्यश्री की भावना के अनुसार इस अभियान में अधिक से अधिक समाजजन जुड़े इस हेतु शीतल विद्या अक्षय निधि योजना का शुभारंभ किया गया।

इस हेतु साधर्मी बंधुओं को एक गुल्लक प्रदान की गई, जिसमें संकल्प अनुसार प्रतिदिन निश्चित राशि इसमें जमा करे। नियत अवधि के बाद जमा राशि को शीतल धाम के कार्यकर्ता राशि एकत्रित करेंगे। 500 से अधिक परिवारों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहमति प्रदान की है।

गोलालारीय समाज अब वेबसाईट पर भी.....

गोलालारीय समाज की वेबसाईट www.golalariya.com में प्रत्येक नगर के संगठन की सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों की सचित्र जानकारी समाहित की जा रही है। आपसे सादर अनुरोध है कि आपकी जानकारी में अपने समाज के मुनिराजजी, माताजी, आर्यिकाजी, विद्वान एवं साहित्यकारों की संपूर्ण जानकारी हमें सचित्र भेजें। देश–विदेश में सरकारी एवं निजी संस्थानों में उच्च पदों पर कार्यरत प्रशासनिक अधिकारी, प्रबंधक, डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट व कंपनी सेक्रेटरी इत्यादि की जानकारी सचित्र भेजें ताकि समाज की इन प्रतिभाओं का हम उचित सम्मान कर उनका परिचय संपूर्ण समाज से करा सके। संपर्क – बाहुबली जैन, 98272-48748

सहयोग के लिए हाथ बढ़ायें

समाज अपनी सामजिक एवं धार्मिक गतिविधियों की जानकारी समाजजनों तक पहुंचाने के लिए समाचार पत्रों का प्रकाशन करते रहे है। अभी तक हमारे समाज की कोई भी पत्रिका नहीं होने से हमारे संगठनों, संगठनों की गतिविधियों व समाज प्रतिभाओं की ख्याति एक सीमित दायरे तक ही रह जाती थी। हमारी समाज में एक से एक प्रतिभाशाली प्रतिभाएँ है। जिन्होंने अनेको क्षेत्रों में अपनी कार्यकुशलता का परचम लहराया है परन्तु समाज स्तर पर उचित मंच प्राप्त ना होने के कारण उनकी ख्याति से हम सब अवगत नहीं हो पाये ।

एकमात्र इसी पावन उद्देश्य के साथ हमने गोलालारीय समाज का मुखपत्र **''गोलालारीय दर्शन''** के प्रकाशन का बीड़ा उठाया है, जिसमें आपसे सभी तरह का सहयोग अपेक्षित है। आपकी जानकारी में समाज के वे सदस्य जिन्होंने शिक्षा, कला, साहित्य, संगठन व धर्म इत्यादि क्षेत्र में विशेष योगदान दिया है उनकी सचित्र जानकारी हमें प्रेषित करें। हम इस पत्रिका के माध्यम से उन्हें उचित मंच प्रदान कर सम्मानित करेंगे व संपूर्ण भारत में फैले गोलालारीय समाज से भी परिचित करायेंगे। हमारे प्रयासों पर आपके विचार हमें स्फूर्ति के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे।

इस पत्रिका के नियमित प्रकाशन में अर्थ (धन) की महत्वपूर्ण भूमिका है। आपने आज तक मंदिर निर्माण, पंचकल्याणक महोत्सव व अन्य धार्मिक व सामाजिक कार्यों में खुले हृदय से दान कर मान सम्मान अर्जित किया है, उसी तरह समाज जागरुकता के इस पावन प्रयास में भी आप खुले हृदय से आर्थिक सहयोग अवश्य ही प्रदान करेंगे ताकि पत्रिका के प्रकाशन में निरंतरता बनी रहे। समाज निर्माण व जागरुकता के इस अभियान में आप शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक एवं विशेष सहयोगी के रुप में आर्थिक सहयोग प्रदान कर आपको उसी तरह का सुख, पुण्य एवं आनंद प्राप्त होगा , जितना धार्मिक अनुष्ठान या मंदिर निर्माण में दान करते समय प्राप्त होता है। – संपादक

अनुरोध – 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका में आगामी अंक से उन सभी सहयोगी दानदाताओं का सचित्र परिचय प्रकाशित किया जाना है जिन्होंने शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक व विशेष सहयोगी के रुप में इस पत्रिका के लिए धनराशि प्रदान कर हमारे इस छोटे से प्रयास को संबल प्रदान किया है। **जिन महानुभाव ने पत्रिका में सहयोग प्रदान किया है वे अपना संक्षिप्त परिचय अतिशीघ्र भेजें ताकि प्रकाशन किया जा सके।**